

भारत ने अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण ईरान से आयातित तेल में कटौती की

संदर्भ

उद्योग और जहाज़रानी स्रोतों के आँकड़ों के मुताबकि अमेरिका की ओर से ईरान पर फरि से प्रतिबंध लगाने की बात कहे जाने के एक महीने बाद जून में ईरान से भारत के कच्चे तेल आयात में 16 फीसदी की कमी आई है।

प्रमुख बदि

- हाल ही में भारत ने तेल रफाइनेरीज़ से कहा है कि ईरान पर लगने वाले अमेरिकी प्रतिबंध के मद्देनजर उसे ईरान से कच्चे तेल के आयात में भारी कटौती करनी होगी, इसलिये वे वैकल्पिक तेल आपूर्ति पर वचिार करें।
- मई में अमेरिका ने कहा था कि वह 2015 में ईरान, रूस, चीन, फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन के साथ कयि गए समझौते से बाहर आने के बाद दोबारा से प्रतिबंध लगाएगा, जबकि ईरान पहले लगे प्रतिबंधों को हटाने के एवज में अपनी परमाणु गतिविधियों में कमी लाने पर राजी हुआ था।
- उल्लेखनीय है कि भारत, चीन के बाद ईरान का दूसरा सबसे बड़ा तेल ग्राहक है।

खरीदारों से जुड़ी चिंताएँ

- नज्ज़ी रफाइनेरीज़ द्वारा कम खरीद की वजह से जून में ईरान से भारत के आयात में कमी आई, जबकि सरकारी रफाइनेरीज़ ने कच्चे तेल की खरीद को बढ़ाया था।
- जून में भारत ने ईरान से प्रतिदिन 5,92,800 बैरल कच्चे तेल का ही आयात कयिा था, जबकि इसकी तुलना में मई में प्रतिदिन 7,05,200 बैरल कच्चे तेल का आयात कयिा गया था।
- भारत की लगभग प्रतिदिन 50 लाख बैरल तेलशोधन क्षमता में सरकारी रफाइनेरीज़ की हस्सिदेदारी करीब 60 फीसदी है।
- आँकड़ों के मुताबकि सरकारी रफाइनेरीज़ द्वारा ईरान से आयातित तेल की खरीद मई की तुलना में जून में करीब 10 फीसदी बढ़कर 4,54,000 बैरल प्रतिदिन रही।
- ईरान में एक प्राकृतिक गैस फील्ड को वकिसति करने के अधिकार को लेकर उपजे वविाद के चलते वतित वर्ष 2017-18 में भारत के सरकारी रफाइनेरीज़ ने तेल आयात में कटौती की थी।
- हालाँकि, ईरान की तरफ से मुफ्त नौवहन और 60 दिनों की बढ़ी हुई उधारी अवधि की पेशकश के बाद सरकारी रफाइनेरीज़ ने मौजूदा वतित वर्ष में अप्रैल से आयात में वृद्धि की योजना बनाई थी।
- इस दौरान सरकारी रफाइनेरीज़ द्वारा आयात करीब दोगुने से अधिक बढ़कर 1,91,700 बैरल प्रतिदिन से 4,13,400 बैरल प्रतिदिन हो गया।
- लेकिन जसि गति से जीरो टोलरेंस नीति आगे बढ़ रही है, इसमें कोई संदेह नहीं है कि ईरान के मौजूदा कच्चे तेल के खरीदारों की चिंताएँ भी बढ़ सकती हैं।